कॉरपोरेट पुनरुद्धार और व्यापारिक विश्वास: भारत के कानूनी परिवर्तन से पहले के

रांची। एयू कॉरपोरेट एडवाइजरी एंड लीगल सर्विसेस के संस्थापक अक्षत खेतान ने रांची स्थित रेडिसन ब्लू होटल में मीडिया को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने भारत के विकसित हो रहे कानूनी इकोसिस्टम की उस महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला, जो संकटग्रस्त व्यवसायों के समर्थन, कॉरपोरेट गवर्नेंस की मजबूती और बदलते आर्थिक वातावरण में निवेशकों के विश्वास को पुनर्स्थापित करने में निर्णायक बनता जा रहा है। इंटरएक्टिव सत्र के दौरान खेतान ने कहा कि पिछले दशक में भारत के दिवालियापन, कॉरपोरेट गवर्नेंस और नियामक ढांचे में उल्लेखनीय परिपक्वता आई है, जिसने व्यापार पुनरुद्धार के लिए एक मजबूत आधार तैयार किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि समय पर कानूनी हस्तक्षेप, बोर्ड-स्तरीय जवाबदेही, पारदर्शी प्रक्रियाएँ और नैतिक निर्णय प्रक्रिया अब पूरे कॉरपोरेट क्षेत्र में विश्वास बहाल करने के लिए अनिवार्य हो गई हैं। खेतान ने बताया कि यद्यपि एमएसएमई भारत के औद्योगिक और रोजगार ढांचे की रीढ़ हैं, फिर भी वे सीमित ऋण उपलब्धता, भुगतान में देरी, कमजोर पुनर्गठन व्यवस्था और कम कानूनी जागरूकता जैसी लगातार चुनौतियों से जूझ रहे हैं। खेतान ने बैंकों में रिकवरी-ड्रिवन मॉडल से बाहर निकलकर रिवाइवल-ओरिएंटेड सोच अपनाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया। खेतान ने कहा कि कॉरपोरेट रिवाइवल केवल वित्तीय सुधार नहीं है। यह पारदर्शिता, जवाबदेही और रणनीतिक कानूनी अंतर्दृष्टि के माध्यम से विश्वास को पुनर्निर्मित करने की प्रक्रिया है।